

याद किया ना कभी श्याम को बस मामाया ही जोडी

धरती को अम्बर से जोडे, उसका नाम मोहब्बत हैं,
शीशे को पत्थर से तोडे , उसका नाम मोहब्बत हैं
कतरा- कतरा सागर तट को, जाती है हर बूँद मगर
बहता दरिया वापस मोडे , उसका नाम मोहब्बत हैं

याद किया ना कभी श्याम को, बस माया ही जोडी
श्याम नाम धन सिवा साथ ना जाए फूटी कौडी
श्याम भजले, श्याम भजले, श्याम भजले।

श्याम नाम धन जो तू यहाँ कमाएगा,
कभी ना भूलों काम वहां वो आएगा
अगर श्याम से प्यार नहीं है, कुछ तेरा उस पार नहीं है
जनम ही लेती फिरेगी फिर तो तेरी रूह निगोडी।
श्याम भजले, श्याम भजले, श्याम भजले

लोग तुझे बस मरघट तक ले जाएंगे,
चाहने वाले दो आँसू टपकाएगे
कोई ना तेरे संग चलेगा चिता में हर एक अंग जलेगा
जिस दिन कुर काल की सर पर आकर गिरे हथौडी
श्याम भजले, श्याम भजले, श्याम भजले

मानवता भी रहे तुम्हारे सीने में,
सब में देखो श्याम मजा तब जीने में
छककर श्याम नाम रस पीले, मत होने दे बंधन ढीले
ऐसे बाँधो डोर पीत की कभी ना जाए तोडी।
श्याम भजले, श्याम भजले, श्याम भजले

क्यों सुख ढूँढ रहे हो आज जमाने में,
गंगाजल क्या मिलता है मैखाने में
सच्चा सुख श्री श्याम शरण में, इनके ही गुण यश, वर्णन में
गजेन्द्र सिंह ने भक्ति से भक्ति की बूँद निचोडी।
श्याम भजले, श्याम भजले, श्याम भजले

याद किया ना कभी श्याम को, बस माया ही जोडी
श्याम नाम धन सिवा साथ ना जाए फूटी कौडी
श्याम भजले, श्याम भजले, श्याम भजले

[bhaj-le](#)

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |